व्यंजन के भेद

डॉ. संतोष येरावार
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
देगलूर महाविद्यालय, देगलूर
जि. नांदेड़

❖ व्यंजन की परिभाषा :

जिन ध्वनियों के उच्चारण में मुख विवर से निकलने वाली हवा मुखविवर में अवरूध्द होती हुई, मुखावयों को स्पर्श करती हुई बाहर निकलती है उन ध्वनियों को व्यंजन कहते हैं।

❖ व्यंजन का वर्गीकरण :

सामान्यतः व्यंजन का वर्गीकरण दो आधारों पर किया जाता है–

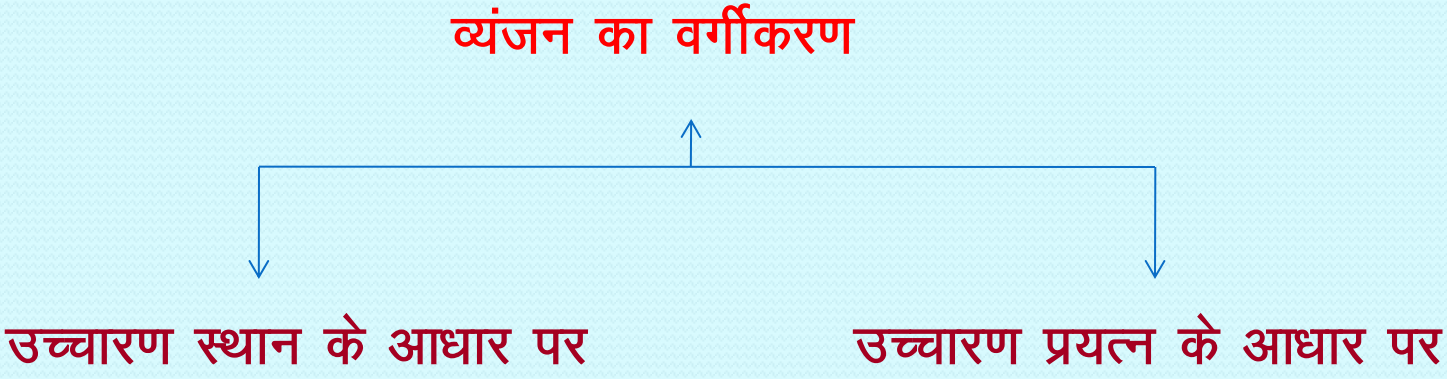

- उच्चारण स्थान के आधार पर

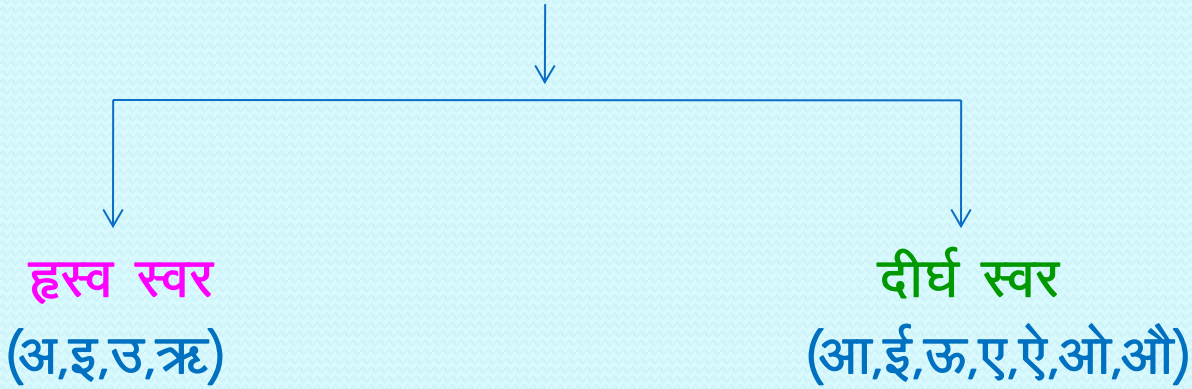

➢ उत्पत्ति के आधार पर

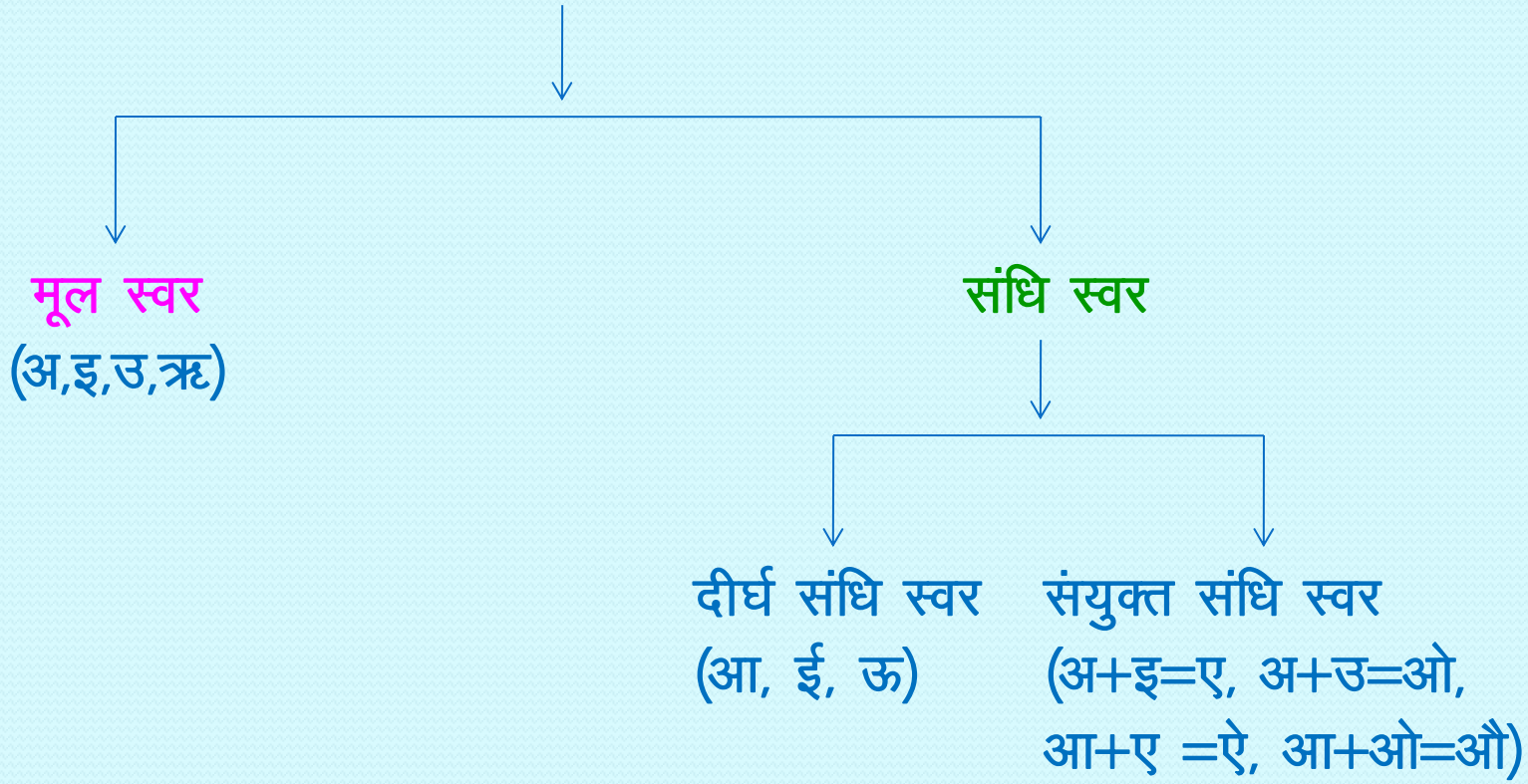

➢ उच्चारण स्थान के आधार पर

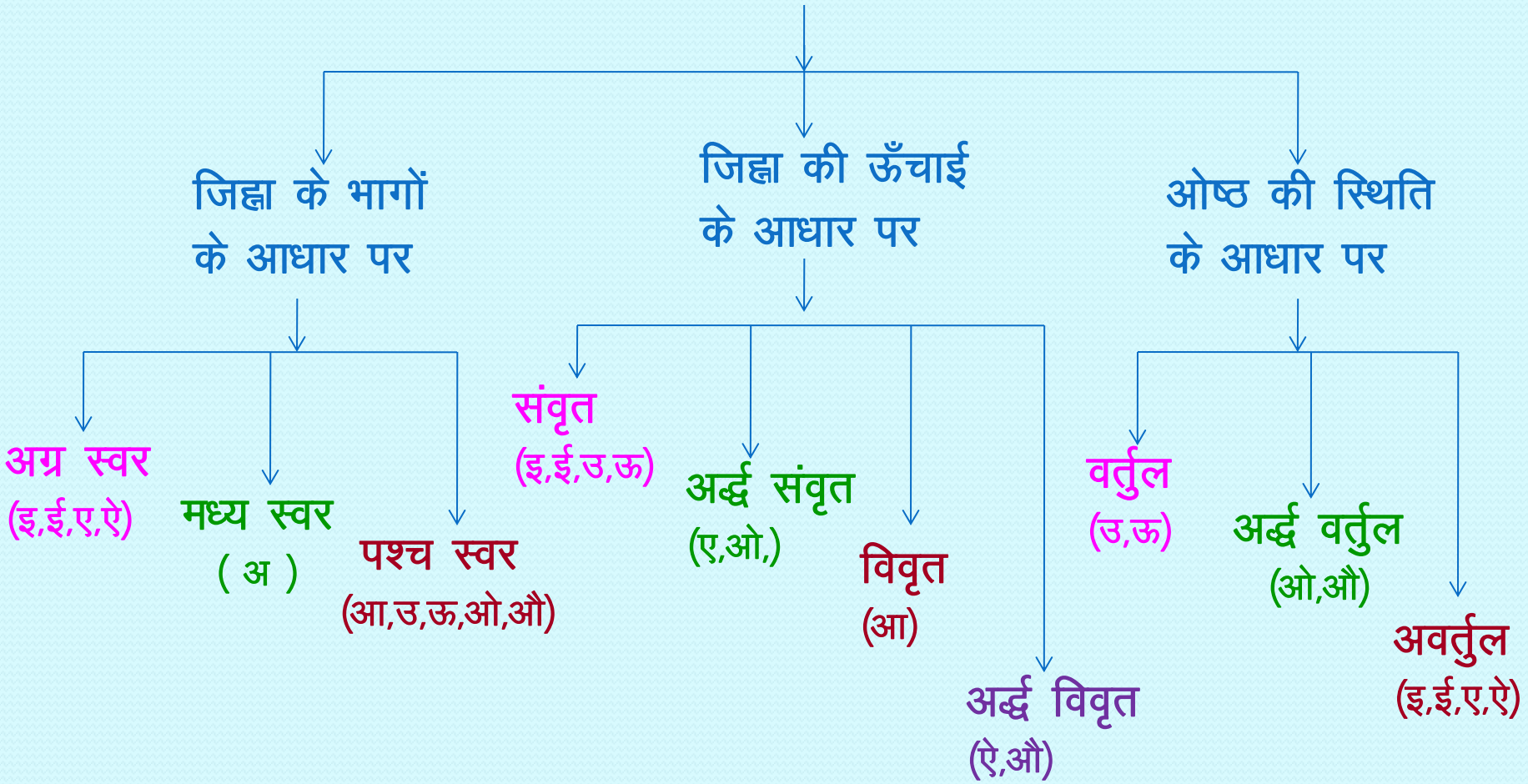

➢ जाति के आधार पर

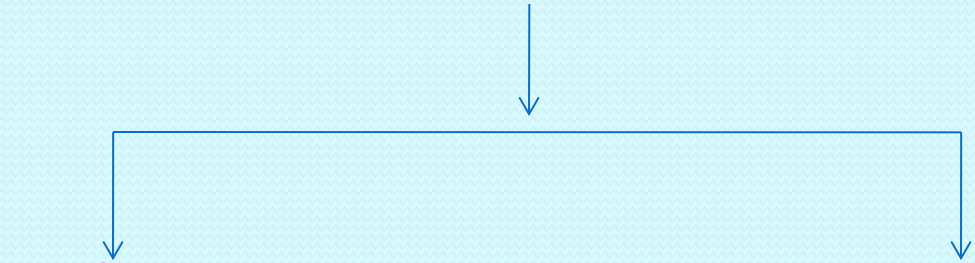

सवर्ण स्वर
(सजातीय स्वर)
(अ,आ,इ,ई,उ,ऊ)

असवर्ण स्वर
(विजातीय स्वर)
(अ+इ =ए, आ+ए =ऐ,
अ+उ =ओ, आ+ओ =औ)

धन्यवाद !

.....